डेरी विकास विभाग,– उत्तराखण्ड
विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2017–18 की प्रस्तावित योजना से सम्बन्धित सूचना

(धनराशि लाख ₹ में)

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत				
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	निदेशन एवं प्रशासन	कार्मिकों के वेतन, भत्ते तथा कार्यालय संचालन हेतु सहायता	856.39	–	–	–	–	–
राज्य योजना (चालू योजना)								
1.	डेरी विकास योजना	दुग्ध संघों में अवस्थापना विकास तथा अन्य आवर्ती व्यय में सहायता प्रदान करना।	280.00	–	1. कार्मिकों को प्रबन्धकीय अनुदान। 2. दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय की प्रतिपूर्ति। 3.दुग्ध उत्पादकों को प्रशिक्षण। 4.सेन्ट्रल डेरी लैब का सुदृढ़ीकरण।	01 वर्ष	1. दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थो के विक्रय में वृद्धि। 2. पर्वतीय क्षेत्रों में सुदूरवर्ती ग्रामों में दुग्ध समितियां स्थापित कर रोजगार सृजित होगा।	03 वर्ष
2.	महिला डेरी विकास योजना	महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान करते हुए विकास की मुख्य धारा में जोड़ना।	477.71	–	1. ग्राम स्तर पर 26 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया जायेगा। 2. 520 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा जायेगा। 3. 26 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होगा।	01 वर्ष	1. महिलाओं को आय के साधन सुलभ होने से उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। 2.महिलाओं में नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं आत्म निर्णय की भावना जागृत होगी।	03 वर्ष
3.	सहकारी डेरी प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना	राज्य के परिप्रेक्ष्य में दुग्ध उत्पादकों को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से सम्बन्धित जानकारियां उपलब्ध कराना।	–	70.00	1. जनपद नैनीताल में सहकारी प्रशिक्षण संस्थान तथा छात्रावास निर्माण प्रस्तावित।	03 वर्ष	1. मुख्यतः पर्वतीय क्षेत्रों के दुग्ध उत्पादक राज्य की जलवायु के अनुसार पशुपालन एव दुग्ध उत्पादन कर सकेगें। 2. दुग्ध उत्पादकों को हो रही व्यवहारिक कठिनाईयों का समाधान हो सकेगा।	05 वर्ष
4.	दुग्धशाला का सुदृढ़ीकरण	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दुग्धशालाओं का सुदृढ़ीकरण, आधुनिकीकरण एवं क्षमता विस्तार करना।	–	25.00	जनपदों में दुग्धशालाओं का सुदृढ़ीकरण।	02 वर्ष	दुग्ध संघ के वार्षिक टर्न औवर में वृद्धि।	04 वर्ष
5.	दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन	ग्राम स्तर पर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु दुग्ध उत्पादकों को उनके द्वारा दुग्ध समिति में उपलब्ध कराये जा रहे दूध के आधार पर प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाना।	1500.00	–	दुग्ध उत्पादन में हो रही अत्याधिक प्रति ली0 लागत की प्रतिपूर्ति करना।	01 वर्ष	1. अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादको को सहकारी समितियों से जोडना। 2. ग्राम स्तर पर पशुपालन हेतु प्रोत्साहित करना	03 वर्ष
6.	गंगा गाय महिला डेरी विकास योजना	ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन करना।	300.00	–	दुग्ध सहकारी समितियों की महिला सदस्यों को उच्च नस्ल दुधारू गाय उपलब्ध कराना।	01 वर्ष	1. ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाना। 2. दुग्ध समितियों के अन्तर्गत उपार्जन में वृद्धि करना।	03 वर्ष
नई योजना								
1.	दुग्ध संघ कार्मिकों हेतु स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना	रूग्ण दुग्ध संघों के कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान कर सम्बन्धित दुग्ध संघों के आवृत्ति व्यय में कमी स्थायी कमी करना।	50.00	–	रूग्ण दुग्ध संघों के कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान की जायेगी।	01 वर्ष	रूग्ण दुग्ध संघों के आवृत्ति व्यय में स्थायी कमी होने के कारण दुग्ध संघ लाभ की ओर अग्रसर होगें।	03 वर्ष
जिला योजना (चालू योजना)								

1.	ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढ़ीकरण	ग्राम स्तर पर दुग्ध सहकारी समितियां गठित कर स्वरोजगार के साधन सुलभ कराना।	–	–	दुग्ध उत्पादक सदस्यों के दुधारू पशुओं हेतु पशु औषधि, टीकाकरण, डिवर्मिंग एवं सन्तुलित पशुआहार रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जा रहा है।	01 वर्ष	दुधारू पशुओं को संतुलित पशुआहार तथा पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध होने से पशु स्वास्थ्य में सुधार तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी।	02 वर्ष
केन्द्रपोषित योजना								
1.	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना	–	0.01	–	–	–	–	–
2..	राष्ट्रीय डेरी विकास योजना	दुग्ध सहकारी समितियों में अवस्थापना विकास।	318.26		1. दुग्ध संघों में अवस्थपना विकास 2. दुग्ध समितियों में तकनीकी निवेश 3. दुग्ध उत्पादकों हेतु विभिन्न प्रशिक्षण	01 वर्ष	दुग्ध उत्पादको की आय में वृद्धि	03 वर्ष